डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष तथा एम0ए0 हिन्दी (4+1)

हिन्दी पाठ्यक्रम

2026—2027

अध्ययन-बोर्ड (BOS पाठ्यक्रम निर्माण)				
बीओएस संयोजक / बीओएस सदस्य का नाम हिन्दी में	पद	विभाग	महाविद्यालय / विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर
प्रो0 अनिता सिंह (संयोजक—हिन्दी)	प्रोफेसर	हिन्दी	जवाहरलाल नेहरू स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाराबंकी (उ0प्र0)	
प्रो0 इन्द्रमणि कुमार (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	राणा प्रताप पी0जी0 कॉलेज सुल्तानपुर (उ0प्र0)	
प्रो0 अखिलेश कुमार वर्मा (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	रामनगर पी0जी0 कॉलेज रामनगर, बाराबंकी (उ0प्र0)	
प्रो0 पवन अग्रवाल (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ (उ0प्र0)	
प्रो0 राधेश्याम राय (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	बी0एच0यू0 वाराणसी (उ0प्र0)	
प्रो0 मंजू त्रिपाठी (सदस्य)	प्रोफेसर	हिन्दी	डी0डी0यू0 गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर (उ0प्र0)	

DR. RAM MANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA

Syllabus for the

Program: M.A./M.Sc./M.Com, Subject: बी0ए0 चतुर्थ वर्ष एवं एम0ए0 हिन्दी (4+1)

2026-2027

Course Code		Course Title	Credits	T/P	Evaluation	
					CIE	ETE
A	B	C	D	E	F	G
		बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी VII सेमेस्टर				
A010701T	CORE	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	T	25	75
A010702T	CORE	मध्यकालीन हिन्दी काव्य (कबीर जायसी तुलसी सूर, केशव, बिहारी, घनानंद)	4	T	25	75
A010703T	CORE	भारतीय काव्यशास्त्र	4	T	25	75
A010704T	FIRST ELECTIVE (Select any one)	अनुसंधान-प्रविधि	4	T	25	75
A010705T		हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार	4	T	25	75
A010706P	SECONE ELECTIVE (Select any one)	(परियोजना-प्रस्तुति) मध्यकाल के किसी कवि, लेखक या रचना से संबधित	4	P	50	50
A010707P		(परियोजना-प्रस्तुति) स्वयं के यात्रावृत्त/रिपोर्ताज/किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर न्यूनतम 8000 शब्दों में लेखन	4	P	50	50
		बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी VIII सेमेस्टर				
A010801T	CORE	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	T	25	75
A010802T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (भारतेन्दु युग से छायावाद तक)	4	T	25	75
A010803T	CORE	पाश्चात्य काव्य शास्त्र	4	T	25	75
A010804T	THIRD ELECTIVE (Select any one)	स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य	4	T	25	75
A010805T		दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य	4	T	25	75
A010806P	FORTH ELECTIVE (Select any one)	(परियोजना–प्रस्तुति) किन्नर विमर्श और हिन्दी साहित्य	4	P	50	50
A010807P		(परियोजना–प्रस्तुति) आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य	4	P	50	50

DR. RAM MANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA

Syllabus for the

Program: M.A./M.Sc./M.Com, Subject: बी0ए0 चतुर्थ वर्ष एवं एम0ए0 हिन्दी **(4+1)**

2026-2027

एम0ए0 हिन्दी IX सेमेस्टर						
A010901T	CORE	आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)	4	T	25	75
A010902T	CORE	भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि	4	T	25	75
A010903T	CORE	भारतीय साहित्य अवधारणा, सिद्धान्त (हिन्दी में अनुदित) चयनित रचनाएँ	4	T	25	75
A010904T	FIFTH ELECTIVE (Select any one)	आधुनिक हिन्दी के कथा साहित्य	4	T	25	75
A010905T		आधुनिक हिन्दी की विविध गद्य विधाएँ	4	T	25	75
A010906P	SIXTH ELECTIVE (Select any one)	(परियोजना–प्रस्तुति) हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के किसी कवि लेखक या रचना से सम्बन्धित	4	P	50	50
A010907P		न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उनकी प्रस्तुति	4	P	50	50
एम0ए0 हिन्दी X सेमेस्टर						
A011001T	CORE	आधुनिक हिन्दी आलोचना की मान्यताएँ एवं प्रमुख वाद	4	T	25	75
A011002T	CORE	हिन्दी गद्य साहित्य-नाटक व निबंध	4	T	25	75
A011003T	SEVEN ELECTIVE (Select any one)	विशेष अध्ययन **A** कबीरदास **B** जायसी **C** सूरदास **D** तुलसीदास **E** जयशंकर प्रसाद **F** धूमिल (किसी एक रचनाकार का विशेष अध्ययन)	4	T	25	75
A011004T		हिन्दी साहित्य और सिनेमा	4	T	25	75
A011005P	RESEARCH PROJECT / DISSERTATION	विभाग द्वारा निर्धारित विषय पर लघुशोध प्रबन्ध एवं साक्षात्कार	4	P	50	50

बी०ए० चतुर्थ हिन्दी

भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल से रीतिकाल तक)

A010701T

Core – I

इकाई – 1 : भारतीय ज्ञान परम्परा एवं हिन्दी साहित्य, संस्कृति अवधारणा एवं स्वरूप, प्रचीन भारत के प्रमुख ग्रन्थ, वेद, रामायण, महाभारत, उपनिषद्, गीता, अर्थशास्त्र का संक्षिप्त परिचय भारतीय संगीत एवं ललित कलाएं : संक्षिप्त परिचय

भारत का राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन, भारत के प्रमुख विचारक– गौतम बुद्ध, महावीर स्वामी, शंकराचार्य, गोरखनाथ, कबीर, तुलसी, रहीम, विवेकानन्द, महात्मागांधी, नेहरू, अम्बेडकर, लोहिया, सावित्री बाई फुले, ज्योतिबा फुले, पेरियार, दयानन्द सरस्वती, राजाराम मोहनराय।

इकाई – 2 : हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन, स्रोत–सामग्री, इतिहास लेखन परम्परा एवं पुर्नलेखन की समस्याएं, काल विभाजन, नामकरण एवं सीमा निर्धारण।

इकाई – 3 : आदिकाल एवं भक्तिकाल की पृष्ठभूमि एवं तत्कालीन परिस्थितियां, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य संतकाव्य धारा सूफी काव्य धारा, कृष्ण काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि, राम काव्य धारा की प्रमुख विशेषताएं और विशिष्ट कवि सगुण – निर्गुण की अवधारणा।

इकाई – 4 : रीतिकाल की परिस्थितियाँ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, काल सीमा निर्धारण व नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ विभिन्न धाराएँ– रीतिबद्ध, रीति सिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा एवं विशिष्ट कवि।

सन्दर्भ ग्रन्थः–

1. साहित्य और इतिहास दृष्टिः– डॉ० मैनेजर पाण्डेय
2. इतिहास और आलोचना :– डॉ० नामवर सिंह
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :– डॉ० बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य का आदिकाल :– हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य :– शम्भू नाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन
6. रासो साहित्य विमर्श :– माता प्रसाद गुप्त, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ० रामचन्द्र शुक्ल
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ० नगेन्द्र
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन– आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, राष्ट्रभाषा परिसर, पटना

10. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य– शिव कुमार मिश्र

11. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000

12. रीति काव्य की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र

13. रीति काव्य संग्रह– डॉ0 जगदीश गुप्त

14. भारतीय चिन्तन परम्परा– के0 दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली

15. भारत " इतिहास, संस्कृति एवं विज्ञान"– गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

16. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन , प्रयागराज

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

मध्यकालीन हिन्दी काव्य

(कबीर, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, केशव, बिहारी, घनानंद)

A010702T

Core – II

इकाई – 1 : कबीरदास– ज्ञान बिरह कौ अंगः–

1. हिरदा भीतर दौ बलय...
2. झल उठी झोली जली...
3. दीपक पावक आणिया...
4. गुर दाधा चेला जल्या...

<u>परचा कौ अंग–</u>

1. पार ब्रम्ह के तेज का...
2. अन्तर कमल प्रकासिया...
3. कबीर तेज अनन्त का...
4. कौतिक दीठा देंह बिन...
5. हद छांणि बेहद गया...

<u>रस कौ अंग–</u>

1. राम रसायन प्रेम रस...
2. हरि रस पिया जाणिए...
3. सबद रसायन मै पिया...

पदः– दुलहिनि गवहुँ मंगलचार, मन रे मनहि उलट समाना, डगमग छाडिंदे मन बौरा, जतन बिन मिरगन खेत चरे, मन रे जागत रहिये भाई, हम न मरहि मरिहैं संसारा, सन्तों भाई आई ग्यान की आँधी रे।

जायसी– पद्मावतः–   मानसरोदक खण्ड

इकाई – 2 तुलसीदास– विनय पत्रिका के पद

1. जाउ कहा तजि चरन तिहारे, कबहूंक अम्ब अवसर पाई, मन पछितैहें अवसर बीते, हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों, अब लौ नसानि अब न नसहियों, जाके प्रिय न राम बैदेहि, तू दयालु दीन हौं, सुन मन मूढ़ सिखावन मेरो, कबहु मन विश्राम न मागय, ऐसी मूढ़ता या मन की, नाचत ही निस दिवस मरयो, केशव कहि न जाय का कहिये, माधव मो समान जगमांही, कबहूँ हौ यहि रहन रहोगो।

सूरदास– सूर सागर के पद

विनय के पद :– अविगत गत कछु कहत न आवै, हमारे प्रभु अवगुन चित न धरौ, अब मै नाच्यौ बहुत गोपाल, चरण कमल बन्दौ हरिराई।

बाल लीला के पदः– सोभित कर नवनीत लिये, किलकत कान्ह घुटरूअन आवत, खेलन हरि निकसे हरि खोरि, बुझत श्याम कौन तू गोरी, धेनु दुहति अति ही रति बाढ़ी।

भ्रमर गीतः– उपमा हरि तनु देख लजानि, मधुवन तुम कत रहत हरे, संदेशो देवकी सो कहियों, निर्गुण कौन देश को वासी, अखियाँ हरि दर्शन की भूखि।

इकाई – 3 बिहारी

1. मेरी भव बाधा हरौ..
2. नीकी दई अनाकनी..
3. कौन भाँति रहिहैं विरद..
4. या अनुरागी चित की..
5. तजि तीरथ हरि राधिका..
6. जप माला छापा तिलक..
7. बैठि रही अति सघन वन..
8. कहलाने एकत बसत..
9. चिरजीवौ जोरी जुरै..
10. तंत्रीनाद कवित्त रस..
11. लिखनि बैठी जाकी सबी..
12. इन दुखिया अखियान को..
13. सीस मुकुट कटि काछनी..
14. कहत सबै बेंदी दिए..
15. गिरि ते ऊँचें रसिक मन..
16. करके मीड़े कुसुम लौं..
17. पत्रा ही तिथि पाइये..
18. कहत नटत रीझत खिझत..

केशवदास

1. बालक मृणालनि...
2. बानी जगरानी की उदारता...............................
3. मूलन ही की जहां अधोगति...............................
4. शोभित मंचन की अवली...................................
5. दिग्पालन की भू पालन की.................................
6. सब क्षत्रीय आदि दै काहू..................................
7. बज्र ते कठोर है...
8. को है दमयन्ती...
9. केशवदास नींद, भूख, प्यास.............................
10. दानिन के सील परदान के प्रहरिदीन.......

घनानन्द

1. झलकति अति सुन्दर......................................
2. हीन भए जलमीन अधीन...................................
3. पूरन प्रेम को मंत्र..
4. रावरे रूप की रीति अनूप...............................
5. घन आनन्द जीवन मूल सुजान.........................
6. कंत रमै उर अन्तर में.....................................
7. अकुलानी के पानि परयौ दिन राति........

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. कबीरः– हजारी प्रसाद द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. कबीर– कबीर ग्रन्थावली, श्याम सुन्दरदास
4. जायसी और उनका काव्यः– शिव सहाय पाठक साहित्य भवन, इलाहाबाद
5. जायसी ग्रन्थावलीः– सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. सूर और उनका साहित्य– हरिवंश लाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़
7. तुलसी काव्य मीमान्सा– परशुराम चर्तुवेदी
8. घनानन्द और स्वच्छंद काव्य धारा– मनोहर लाल गौण
9. घनानन्द : काव्य और आलोचना – किशोरीलाल
10. केशवदास : एक अध्ययन–राम रतन भटनागर
11. केशवदासः जीवनी कला और कृतित्व – किरण चन्द्र शर्मा
12. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
13. बिहारी का नया मूल्यांकन–डॉ0 बच्चन सिंह

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

छात्र भारतीय काव्य शास्त्र के परम्परा और उसके स्वरूप से परिचित होगें। काव्य एवं साहित्य का सम्यक रसास्वदन कर सकेगें, भारतीय काव्य शास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तों की स्थापनाओं से परिचित हो सकेगें।

भारतीय काव्य शास्त्र

A010703T

Core - III

इकाई – 1 : भारतीय काव्य शास्त्र का इतिहास, काव्य का स्वरूप, काव्य भेद, काव्य लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, काव्य प्रयोजन।

इकाई – 2 : रस सम्प्रदाय– रस का स्वरूप, अवयव रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

इकाई – 3 : अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, स्वरूप और भेद तथा रीति की अवधारणा।

इकाई – 4 : बक्रोक्ति सम्प्रदाय– अवधाराणा, भेद, बक्रोक्ति अभिव्यजनावाद, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदाय– प्रमुख स्थापनाएं एवं औचित्य के स्वरूप एवं भेद।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास– भगीरथ मिश्र
2. काव्यशास्त्र– भगीरथ मिश्र
3. काव्य दर्पण– रामदहिम मिश्र
4. काव्यशास्त्र की भूमिका–डॉ0 नगेन्द्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज– डॉ0 राम मूर्ति त्रिपाठी
6. काव्य के सिद्धान्त और अध्ययन– गुलाब राय
7. रस सिद्धान्त– डॉ0 नगेन्द्र
8. अलंकार धारणा विकास और विश्लेषण–शोभाकान्त मिश्र
9. काव्यालोचन–ओम प्रकाश शर्मा
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त– डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

बी०ए० चतुर्थ वर्ष हिन्दी
अनुसंधान - प्रविधि
A010704T
वैकल्पिक (1)

इकाई–1 **अनुसंधान का स्वरूप** खोज, अन्वेषण अनुशीलन, शोध अनुसंधान के अर्थ परिभाषा एवं महत्व अनुसंधान और तथ्य अनुसंधान स्वरूप और प्रक्रिया अनुसंधान की विशेषताएँ।

इकाई–2 **अनुसंधान के प्रकार** भाव तत्व, आधारित कल्पना तत्व, आधारित विचार तत्व, आधारित शैली तत्व आधारित,

(क) साहित्यिक शोध

(ख) भाषा वैज्ञानिक शोध

(ग) साहित्य का समाजशास्त्रीय शोध

(घ) साहित्य का सौंदर्यशास्त्रीय शोध

(ङ) लोक साहित्य संबंधी शोध

इकाई–03 **'शोध पत्र लेखन और प्रस्तुतीकरण** लेखन से पूर्व के कार्य, प्रारूपण, शीर्षक, सारांश, विचार–विमर्श, उपसंहार, संदर्नित स्रोतों का प्रलेखन एवं उल्लेख

इकाई–04 **अनुसंधान–पद्धतियाँ**

1. धर्मशास्त्रीय पद्धति।
2. आलोचनात्मक का पद्धति।
3. वैज्ञानिक पद्धति।

संदर्भ ग्रन्थ सूची–

1. डॉ0 विनय मोहन शर्मा– शोध प्रविधि
2. डॉ0 हरिश्चन्द्र वर्मा – शोध प्रविधि
3. डॉ0 सावित्री सिन्हा एवं डॉ0 विजयेन्द्र स्नातक–अनुसाधन की प्रक्रिया
4. डॉ0 देवराज उपध्याय–साहित्यिक अनुंसधान के प्रमिान
5. डॉ0 उमाकान्त गुप्त एवं डॉ0 ब्रजरतन जोशी–अनुसंधान स्वरूप और आयाम।

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

इस पाठयक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य के मूलभूत स्वरूप, हिन्दी के रोजगार परक स्वरूप आदि की जानकारी प्राप्त कर सकेगें तथा हिन्दी में रोजगार कौशल प्राप्त होने के साथ ही विद्यार्थियों के नये समाज की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाने का प्रयास किया जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

A010805T

वैकल्पिक (1)

इकाई – 1.

1. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप, स्वत्रता पूर्व और स्वातंत्रयोत्तर पत्रकारिता, संक्षिप्त उद्‌भव एवं विकास, भारतीय हिन्दी पत्रकारिता के विभिन्न चरण– भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाएं, द्विवेदी युगीन पत्रकारिता– स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, छायावाद युगीन पत्रकारिता, स्वरूप वर्गीकरण और प्रमुख पत्र पत्रिकाए, स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता–विभिन्न आयाम और मूल्यांकन।

इकाई – 2.

1. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी पत्रकारिता : एक मूल्यांकन–दैनिक पत्र, साप्ताहिक पत्र, पाक्षिक, मासिक पत्र, इक्कीसवी सदी में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियाँ एवं दायित्व, पत्रकारिता का व्यसायीकरण, मीडिया और समाज।

इकाई – 3.

1. समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता की स्थिति व समस्याएं, स्वामित्व का प्रश्न, पत्रकारिता के सिद्धान्त–स्वरूप व क्षेत्र

इकाई – 4.

1. जनसंचार माध्यम– प्रेस, रेडियो, टी0 वी0, फिल्म, वीडियों एवं इण्टरनेट।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य–राम अवतार शर्मा
2. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र
3. मीडिया मिशन से बाजारीकरण तक – राम शरण जोशी
4. हिन्दी पत्रकारिताः विविध आयाम– वेद प्रताप वैदिक
5. मीडिया–विमर्श– राम शरण जोसी

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

A010706P

वैकल्पिक (2)

परियोजना प्रस्तुति

आदिकाल से मध्यकाल के किसी कवि लेखक या रचना से संबधित

अथवा

A010707P

वैकल्पिक (2)

स्वंय के यात्रा वृत्त / रिपोर्ताज/किसी लेखक के साथ साक्षात्कार अथवा संस्मरण आदि पर न्यूनतम 8000 शब्दों मे लेखन

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VII सेमेस्टर

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र आधुनिक युग की भूमिका राष्ट्रीय स्वधीनता आन्दोलन का विकास, नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का विकास भारतीय साहित्य में नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति से छात्र परिचित हो सकेगें।

हिन्दी साहित्य इतिहास

(आधुनिक काल)

A010801T

Core - 1

इकाई – 1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी नवजागरण, परिस्थितियाँ, हिन्दी गद्य का विकास (ईसाई मिशनरी, फोर्ट विलियम कालेज, सामाजिक संस्थाओं की भूमिका)

इकाई – 2. भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 3. द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 4. छायावाद युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

इकाई – 5. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तिया : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास–नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 ओंकार नाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास–डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास–डॉ0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
7. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समास्याएँ– डॉ0 रामविलास शर्मा

बी०ए० चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना और प्रमुख रीतिकालीन कवियों के प्रदेय से परिचित कराना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकासक्रम से अवगत कराना। राज्य दरबारी काव्य परम्परा में सामन्त वर्ग का प्रभुत्व रचना को किस प्रकार विकृत श्रृंगारिकता की ओर धकेलकर ले गया, बिहारी का रचना कर्म इसका साक्षी है– इसकी जानकारी छात्रों को देना एवं घनानन्द काव्य को रूढ़िबद्ध परम्परा से मुक्ति दिलाते हुए अपने प्रगतिशील होने के दावे को पुख्ता करते हैं– इसकी समझ छात्रों में विकसित करना। देव ने किस प्रकार श्रृंगार को प्रमुख विषय बनाते हुए कविता में कल्पना और भावुकता का समावेश किया, अलंकारों के मोह में पड़ने के कारण किस प्रकार इनकी कविता कमजोर पड़ती है तथा केशव को क्यों कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है इसका विद्यार्थियों को बोध कराना।

छायावाद काव्य आन्दोलन, आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास में छायावाद की सही परख एवं पहचान छात्र कर सकेगें। छायावाद के चार आधार स्तम्भ–प्रसाद, पन्त, निराला, महादेवी वर्मा का परिचय एवं उनकी कविताओं का सम्यक अर्थ बोध छात्र प्राप्त कर सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी काव्य

(भारतेन्दु से छायावाद युग तक)

A010801T

Core - 1

इकाई – 1. मैथिलीशरण गुप्त

1. दोनो ओर प्रेम पलता है...
2. सखी वे मुझसे कहकर जाते(यशोधरा)................................
3. रूदन का हँसना ही तो गान(यशोधरा)..................................

इकाई – 2. जयशंकर प्रसाद

1. अरूण यह मधुमय देश हमारा (चन्द्रगुप्त नाटक से) ....
2. बीती विभावरी जाग री (लहर) ....
3. ले चल मुझे भुलावा देकर (लहर) ....
4. जो घनीभूत पीड़ा थी (ऑसू) ....
5. इस करूणा कलित हृदय में (ऑसू)....................................
6. मानस सागर के तट पर (ऑसू)...
7. आती है शून्य क्षितिज से (ऑसू)..
8. क्यों व्यथित ब्योग गंगा सी (ऑसू).....................................

इकाई – 3. निराला

1. जागो फिर एक बार...
2. संध्या सुन्दरी...
3. कुकरमुत्ता..

इकाई – 4. सुमित्रानन्दन पन्त

1. बापू के प्रति...
2. ताज...
3. मोह...
4. मानव ("गुंजन" काव्य संग्रह से).................................
5. भारत माता (युग वाणी काव्य संग्रह से).....................

इकाई – 5. महादेवी वर्मा

1. मैं नीर भरी दुःख की बदली...
2. निशा को धो देता है राकेश...
3. पुलक पुलक उर सिहर सिहर तन...............................
4. विरह का जलजात जीवन..

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ–डॉ0 नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी कविता– विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. हिन्दी कविता–आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र
5. कविता के नये प्रतिमान–डॉ0 नामवर सिंह

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा व उसके स्वरूप से परिचित हो सकेगें। प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना के साथ ही सिद्धान्तों की स्थापनाओं से अवगत हो सकेगें।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

A010803T

Core-III

इकाई – 1.

1. पाश्चात्य साहित्यालोचन के विकास का सामान्य परिचय।
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त।
3. अरस्तू का अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत।

इकाई – 2.

1. लोंजाइनस का औदात्य के सिद्धांत।
2. टी0एस0 इलियट का निर्वयैक्तिकता का सिद्धांत।

इकाई – 3.

1. सिद्धान्त और वाद– स्वच्छन्दतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आदर्शवाद, यथार्थवाद, संरचनावाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. प्लेटो का काव्य सिद्धान्त–डॉ0 निर्मला जैन
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धान्त–शन्ति स्वरूप गुप्त
4. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद–सुधीस पचौरी
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र–भगीरथ मिश्र

बी०ए० चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

स्त्री विमर्श के स्वरूप एवं अवधारणा, मूल संकल्पना और वैचारिकी से, स्त्री मुक्ति के सवालों और प्रयासों को समझने में छात्रों को सहायता होगी।

स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

A010804T

वैकल्पिक (3)

इकाई – 1. स्त्री विमर्शः अर्थ स्वरूप एवं उद्देश्य, अवधारणा एवं वैचारिक संकल्पना, स्त्री विमर्श का इतिहास–पाश्चात्य एवं भारतीय सन्दर्भ में, भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री प्रश्न, स्त्री मुक्ति का सवाल, पितृसत्ता की चुनौती व संघर्ष, वर्तमान सन्दर्भ में स्त्री विमर्श की दिशा एवं दशा।

इकाई – 2. उपन्यास–आपका बंटी–मन्नू भन्डारी।

इकाई – 3. (क) कहानी–सिक्का बदल गया–कृष्णा सोवती

(ख) ततईया–नासिरा शर्मा

(ग) गुल की बन्नो–धर्मवीर भारती

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. उपनिवेश में स्त्री–प्रभा खेतान
2. स्त्री उपेक्षिता–प्रभा खेतान
3. स्त्री संघर्ष का इतिहास–राधा कुमार
4. भविष्य का स्त्री विमर्श–ममता कालिया
5. साहित्य की जमीन और स्त्री–रोहिणी अग्रवाल
6. आलोचना का स्त्री पक्ष, पद्धति, परम्परा और पाठ–सुजाता
7. स्त्री का समय–क्षमा शर्मा
8. स्त्री विमर्श–रमणिका गुप्ता

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र दलित विमर्श के स्वरूप, पृष्ठभूमि, मूल संकल्पना के इतिहास से परिचित हो सकेगे साथ ही साथ दलित विमर्श के उद्देश्य एवं वर्तमान सन्दर्भो में उसकी आवश्यकता को समझ सकेगें।

दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य

A010805T

वैकल्पिक (3)

इकाई – 1.

1. दलित विमर्शः अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2. दलित विमर्श अवधारणा तथा पृष्ठभूमि
3. दलित साहित्य चिन्तन का वैचारिक आधार

इकाई – 2.

1. दलित साहित्य की परम्परा, भारत के प्रमुख सामाजिक आन्दोलन
2. दलित मुक्ति का सवाल, अस्मिता और अस्तित्व का प्रश्न

इकाई – 3.

1. दलित साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक सरोकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 4.

1. आत्मकथा– मूर्दहिया–डॉ0 तुलसीराम
2. उपन्यास–"छप्पर"–डॉ0 जय प्रकाश कर्दम
3. कहानी–हारे हुए लोग–मोहनदास नैमिशारण्य, सूरजपाल –सजिस चौहान, सिलिया–सुशीला टाँकभौरे
4. कविता–बस बहुत हो चुका–ओम प्रकाश वाल्मिकी (प्रारम्भिक पाँच कविता)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. दलित साहित्य का सौदर्यशास्त्र– ओमप्रकाश वाल्मिकी
2. दलित साहित्य के प्रतिमान–डॉ0 एन0सिंह
3. दलित दुनिया–प्रो. कालीचरन सनेही
4. हिन्दी साहित्य में दलित चेतना–डॉ0 आनन्द वास्कर
5. दलित साहित्य का मूल्यांकन–प्रो0 चमन लाल

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

किन्नर विमर्श के स्वरूप पृष्ठभूमि पौराणिक एवं ऐतिहासिक सन्दर्भ से छात्र परिचित हो सकेगें तथा किन्नर विमर्श के मूल संकल्पना एवं वैचारिकी एवं किन्नर समुदाय की सामाजिक स्थित का विश्लेषण करने में समर्थ हो सकेगे।

किन्नर विमर्श और हिन्दी साहित्य

A010806P

वैकल्पिक (4)

इकाई – 1. किन्नर साहित्य : अर्थ स्वरूप एवं परिभाषा, अवधारणा एवं उद्देश्य, किन्नर विमर्श का इतिहास–

1. पौराणिक 2. आधुनिक सन्दर्भ, चुनौती एवं संघर्ष।

इकाई – 2. उपन्यास–

नाला सोपारा–चित्रा मुद्गल अथवा

दर्द न जाने कोई –लवलश

इकाई – 3. कहानी–

(क) ई मूर्दन का गांव–कुसुम अंसल

(ख) किन्नर– एस.आर. हरनोट

(ग) बिन्दा महाराज–शिव प्रसाद सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. थर्ड जेन्डर का यथार्थ– शगुफ्ता नियाज
2. थर्ड जेन्डर – डॉ. एम. फिरोज खान
3. किन्नर विमर्श साहित्य के आईने में – डॉ. इकरार अहमद
4. थर्ड जेन्डर विमर्श – शरद सिंह
5. थर्ड जेन्डर – अस्मिता और सघर्ष–डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह एवं रवि कुमार गौड़
6. हिन्दी उपन्यासों के आइने में थर्ड जेन्डर– डॉ0 विजेन्द्र प्रताप सिंह
7. थर्ड जेन्डर – विशेषांक – अप्रैल से सितम्बर– 2018
8. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेन्डर– डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं सिपरा किरण

बी0ए0 चतुर्थ वर्ष हिन्दी

VIII सेमेस्टर

छात्र आदिवासी विमर्श में स्वरूप पृष्ठभूमि तथा मूल संकलपना के दर्शन से अवगत हो सकेगें तथा आदिवासी विमर्श के अध्ययन की आवश्यकता व उद्देश्य को समझ सकेगें।

आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य

A010807P

वैकल्पिक (4)

इकाई – 1.

1. आदिवासी विमर्श के परिभाषा तथा अवधारणा एवं वैचारिकी व आन्दोलन
2. जल जंगल जमीन का सवाल और आदिवासी समाज।
3. सामाजिक एवं सांस्कृतिक चुनौती।

इकाई – 2. उपन्यास–

1. संजीव–धार अथवा राणेन्द्र–ग्लोबल गाँव का देवता।

इकाई – 3. कविताएँ–निर्मला पुतुल की कविताएँ

1. क्या तुम जानते हो, आदिवासी स्त्रियां, उतनी दूर मत ब्याहना ("नगाड़े की तरह बजते शब्द" काव्य संग्रह से), क्या हूँ मैं तुम्हारे लिए, बिटिया मुर्मू के लिए 1,2,3.

इकाई – 4. कहानी–अमली–हरिराम मीणा, परती जमीन–पीटर पाल एक्का, कानीबाट–मेहरूनिशा परवेज

नोट– उपर्युक्त पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दिया गया है। इस पाठ्यक्रम पर आधारित परियोजना प्रस्तुति अपेक्षित है।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आदिवासी दर्शन और साहित्य–वन्दना टेटे
2. आदिवासी साहित्य परम्परा और प्रयोजन–वन्दना टेटे
3. आदिवासी अस्मिता का संकट–रमणिका गुप्ता
4. भारत के आदिवासी–प्रो0 मधुसूदन त्रिपाठी
5. आदित संस्कृति एवं राजनीति–एम0 कुमार
6. आदिवासी स्वर्ग– हरि नारायण दत्त एवं जसप्रीत बाजवा
7. साहित्य के आइने में आदिवासी विमर्श–डॉ0 एम0 फिरोज खान एवं डॉ0 शगुफ्ता नियाज
8. समकालीन हिन्दी आदिवासी साहित्य–डॉ बिजाबी
9. भारतीय वांगमय और दलित चेतना–डॉ0 अनिल कुमार सिंह

एम0ए0 हिन्दी

IX सेमेस्टर

छात्र आधुनिक काव्य के उदभव एवं विकास, सामाजिक आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होगें तथा आधुनिक कवियों से शिल्पगत विशेषताओं से परिचित होगें।

आधुनिक हिन्दी काव्य (प्रगतिवाद से अद्यतन)

A010901T

Core - I

इकाई – 1. नागार्जुन–बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल, प्रतिबद्ध हूँ, तालाब की मछलियाँ
मुक्तिबोध– मुझे कदम–कदम पर, बहुत दिनों से।

इकाई – 2. अज्ञेय–साँप, नदी के द्वीप, कलंगी बाजरे की धूमिल–अकाल दर्शन, कविता, किस्सा जनतंत्र।

इकाई – 3. मान बहादुर सिंह–कविता का विश्वास कलकत्ता में, मुझे अच्छा लगता है, हँसी, ईश्वर की समकालीन लाचारी, सरपत

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
2. दूसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
3. तीसरा तारसप्तक–सम्पादक अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली।
4. नई कविता और अस्तित्ववाद–डॉ0 राम विलास शर्मा।
5. हिन्दी कविताः आधुनिक आयाम–डॉ0 रामदरश मिश्र।
6. हिन्दी कविता की प्रवृत्ति–डॉ0 हरि दयाल।
7. कविता की रचना यात्रा–डॉ0 राज कुमार शर्मा।
8. समकालीन हिन्दी कविता–डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
9. समकालीन कविता का यथार्थ–डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव।

एम0ए0 हिन्दी

IX सेमेस्टर

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्‌भव और विकास और देवनागरी लिपि के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी, विद्यार्थी हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का विकास

A010902T

Core - I

इकाई – 1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषा और बोली।

इकाई – 2 (क) भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ, स्वरूप और दिशाएँ–वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, उपयोगिता, भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

(ख) वाक्य विज्ञान–वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य परिवर्तन के कारण।

(ग) अर्थ विज्ञान–अर्थ अवधारणा, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(घ) रूप विज्ञान–रूप की अवधारणा, रूपिम और संरूप की परिभाषा, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

(ङ) ध्वनि विज्ञान–ध्वनि अध्ययन के आयामः उच्चारणात्मक, प्रसारणिक, श्रवणात्मक ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ और स्वनिम विज्ञान।

इकाई – 3. हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ (अपभ्रंश औहट साहित्य और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध), हिन्दी की जनपदीय भाषाएँ–काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उद्‌भव और विकास।

इकाई – 4. <u>हिन्दी रूप रचनाः</u>

(क) हिन्दी संज्ञा, वचन, प्रत्यय एवं उपसर्ग, हिन्दी कारक चिन्ह

(ख) हिन्दी सर्वनाम पदों का विकास।

(ग) विशेषण की रचना एवं विकास।

(घ) हिन्दी क्रियाः धातु, कृदन्त, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया।

(ङ) नागरी लिपि–उद्‌भव और विकास, मानकीकरण, वैज्ञानिकता, गुण एवं दोष।

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त–राम किशोर शर्मा।
2. भाषा विज्ञान–भोलानाथ तिवारी।
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–देवेन्द्र नाथ शर्मा।
4. भाषा विवेचन– भगीरथ मिश्र।
5. भाषाशास्त्र की रूप रेखा–उदय नरायण तिवारी।
6. हिन्दी भाषा का इतिहास–धीरेन्द्र वर्मा।
7. हिन्दी भाषा का संक्षिप्त इतिहास–भोलानाथ तिवारी।
8. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम–रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
9. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास–उदय नरायण तिवारी।
10. हिन्दी उद्‌भव, विकास और रूप– हरदेव बाहरी।

एम0ए0 हिन्दी

IX सेमेस्टर

Course Out Comes
विद्यार्थियों में भारतीय साहित्य के प्रति समझ विकसित करना, भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक परम्परा के आलोक में साहित्य का रसास्वदन कराना, देश की सभ्यता व विविध संस्कृत से परिचित कराना, राष्ट्रीय मूल्य व चेतना का बीजारोपण करना तथा राष्ट्र की एकता व अखण्डता एवं सम्प्रभुता की स्थापना में सहायता करना।

भारतीय साहित्य अवधारणा, सिद्धान्त

(हिन्दी में अनुदित) चयनित रचनांए

A010903T

Core - 3

इकाई – 1. भारतीय साहित्य–स्वरूप, लक्षण, महत्ता एवं बहुलता, अवधारणा एवं व्यापकता, मूल्य चेतना, भारतीय साहित्य का सामासिक स्वरूप, आधार तत्व, भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय–बंगला, असमिया, कश्मीरी एवं तमिल।

इकाई – 2. (क) उपन्यास–रविन्द्रनाथ टैगोर कृत ''गोरा''

अथवा

यू0आर0अनन्त मूर्ति कृत ''संस्कार''

(ख) नाटक– विजय तेन्दुलकर कृत ''घासीराम कोतवाल''

इकाई – 3. कहानी–कुर्रतुल एन हैदर (उर्दू) – ''अगले जनम बिटिया ही कीजो''

इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)– एक अविस्मरणीय यात्रा।

इकाई – 4. (क) कविता–सुनील गंगोध्याय (बंगला)– ''थोड़ी सी प्यार की बातें।''

(ख) कण्णदासन(तमिल)–''कवि अनुभूति''

(ग) सीताकान्त महापात्रा (उड़िया)–''कवि कर्म''

(घ) जी0शंकर कुरूप (मलयालम)–''बाँसुरी''

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. आज का भारतीय साहित्य–प्रभाकर माचवे।
2. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास–डॉ0 नगेन्द्र।
3. भारतीय साहित्य कोश–डॉ0 नगेन्द्र।
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्शन– गौरीशंकर पाण्डेय।
5. अखिल भारतीय साहित्यः विविध आयाम–सम्पादक– सतीश कुमार रेहरा।
6. भारतीय भाषा साहित्य–विभूति मिश्र।
7. साहित्य अकादमी द्वारा भारतीय लेखकों पर बनी सी0डी0।

एम०ए० हिन्दी

IX सेमेस्टर

बीसवीं शताब्दी से लेकर आज तक कथा साहित्य ने कितना विकास किया, कितनी बार नये–नये मोड़ लिये, आज कैसे साहित्य की यह विधा हमारे जन जीवन से जूड़ी हुई है–इसका विद्यार्थियों को भलीभांति बोध कराना।

आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

A010905T

वैकल्पिक (5)

इकाई – 1 : उपन्यास– पृष्ठभूमि, हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास– 1.पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग, स्वातन्त्र्योत्तर युग– सामाजिक उपन्यास, समाजवादी यथार्थवाद के उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, प्रयोगशील उपन्यास, आधुनिकता बोध के उपन्यास।

इकाई – 2 : ''गोदान''– प्रेमचन्द, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद

अथवा

''नदी के द्वीप''– अज्ञेय, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई – 3 : कहानी– पृष्ठभूमि हिन्दी कहानी उद्‌भव एवं विकास–1. पूर्व प्रेमचन्द युग 2. प्रेमचन्द प्रसाद युग 3. उत्तर प्रेमचन्द युग 4. स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी कहानी तथा कथाकार।

इकाई – 4 : संकलित कहानियाँ–

1. पुरस्कार–जयशंकर प्रसाद
2. बूढ़ी काकी–प्रेमचन्द
3. चीफ की दावत–भीष्म साहनी
4. जिन्दगी और जोंक–अमरकान्त
5. नीली झील–कमलेश्वर

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–रामचन्द्र तिवारी
2. गोदान का मूल्यांकन–सत्य प्रकाश मिश्र
3. प्रेमचन्द और उनका युग–राम विलास शर्मा
4. हिन्दी उपन्यास 1950 के बाद–डॉ0 नित्यानन्द तिवारी
5. नई कहानी – सन्दर्भ और प्रकृतिः– सम्पादक : देवी शंकर अवस्थी
6. हिन्दी कहानी – एक अंतरंग पहचान, राम दरश मिश्र
7. कहानी, नई कहानी–प्रो0 नामवर सिंह

एम०ए० हिन्दी

IX सेमेस्टर

बीसवीं सदी भारतीय जीवन के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में अनेक प्रकार के प्रयोगों की सदी है। अंग्रेजी भाषा के साहित्य के अध्ययन से जहां हिन्दी साहित्य जगत में कविता, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध और आलोचना के क्षेत्र में नई–नई प्रवृत्तियां ग्रहण की गई वहा अनेक नई विधाएं–संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा साहित्य रिपोर्ताज प्रमुख हैं। ये सभी विधाएं किस तरह परस्पर घुली मिली है और इनमें किस प्रकार विभाजक रेखा अत्यन्त कठिन है–इसकी जानकारी छात्रों को प्रेषित करना।

आधुनिक हिन्दी की विविध गद्य विधाएँ

A010905T

वैकल्पिक (5)

इकाई – 1 : रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा की परिभाषा, तत्व, वर्गीकरण, विकास एवं तात्विक विवेचन

इकाई – 2 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी की परिभाषा, विशेषताएं एवं विकासक्रम

इकाई – 3 : फीचर, साक्षातकार, हास्यव्यंग, जीवनी का विकास, विशेषताएं तथा आवश्यक तत्व

इकाई – 4 : संकलित विविध गद्य विधाएं–

1. रेखाचित्र – बाल गोविन्द भगत–रामवृक्ष वेनीपुरी
2. संस्मरण – आलोपी–महादेवी वर्मा
3. आत्मकथा – असुविधा का उपयोग–देवराज उपाध्याय
4. यात्रावृत–मौत की घाटी में–अज्ञेय
5. रिपोर्ताज–मानुष बने रहो–फणीश्वर नाथ रेणु
6. डायरी–एकान्तिक संताप और सच्चाई की दास्तान–मोहन राकेश
7. फीचर–इलाहाबाद–बटरोही
8. साक्षात्कार–जो अपना आदर्श बेच देता है खरीदने को कुछ नहीं बचता–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
9. जीवनी–आवारा मसीहा : दिशा हारा–विष्णु प्रभाकर
10. हास्य व्यंग–एकलब्य ने गुरू को अंगूठा दिखाया–हरि शंकर परसाई।

एम0ए0 हिन्दी

IX सेमेस्टर

A010906P

वैकल्पिक (6)

छात्रों में परियोजना प्रस्तुति के माध्यम से विषय के प्रति गहरी समझ और अनुसंधान के प्रति दृष्टि विकसित होगी।

परियोजना प्रस्तुति

हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के किसी कवि, लेखक व उसकी रचना से सम्बन्धित

एम0ए0 हिन्दी

IX सेमेस्टर

A010907P

वैकल्पिक (6)

सेमीनार प्ररतुति के माध्यम से छात्रों में विषय के प्रति शोधपरक दृष्टि विकसित होगी एवं शोध लेखन व वाचन की कला से छात्र अवगत होगें।

न्यूनतम 5 सेमिनार एवं उसकी प्रस्तुति

एम0ए0 हिन्दी

X सेमेस्टर

इस पाठ्यक्रम से आलोचना के अर्थ स्वरूप परिभाषा, आलोचना के प्रकार एवं उनकी विशिष्टताओं से तथा हिन्दी आलोचना के उद्भव एवं विकास यात्रा को छात्र भलीभांति समझ सकेंगे।

आधुनिक हिन्दी आलोचना की मान्यताएं एवं प्रमुख वाद

A011001T

Core - 1

इकाई – 1. आलोचना : अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार तथा विशिष्टता।

इकाई – 2. हिन्दी आलोचना का विकास।

(क) शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना।

(ख) शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

(ग) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना

इकाई – 3. हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचनात्मक दृष्टि– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 रामविलास शर्मा, डॉ0 नामवर सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द–बच्चन सिंह
2. हिन्दी आलोचना–विश्वनाथ त्रिपाठी
3. आलोचना का नया पाठ–गोपेश्वर सिंह
4. हिन्दी आलोचना का विकास–नन्द किशोर नवल
5. आस्था और सौन्दर्य–रामविलास शर्मा।
6. आस्था के चरण–डॉ0 नगेन्द्र
7. दूसरी परम्परा की खोज–नामवर सिंह

एम0ए0 हिन्दी

X सेमेस्टर

छात्र हिन्दी निबन्ध के अर्थ स्वरूप और उद्देश्य तथा विकास यात्रा से परिचित हो सकेगें। हिन्दी निबन्धों के भाषागत और कलागत विशेषताओं को समझ सकेगें। हिन्दी नाटक के स्वरूप एवं पृष्ठभूमि, नाटक के उद्भव एवं उसकी विकास यात्रा तथा नाटक और रंगमंच के अन्तर्सम्बन्ध से परिचित हो सकेगें।

हिन्दी गद्य साहित्य– नाटक एवं निबन्ध

A011002T

Core - 2

इकाई – 1. नाट्य रचना–स्कन्द गुप्त–जयशंकर प्रसाद

अथवा

असाढ़ का एक दिन–मोहन राकेश

इकाई – 2. निर्धारित निबन्धों की व्याख्या एवं समीक्षा–

(क) नाखून क्यों बढ़तें है–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) प्रासंगिकता का प्रश्न–अज्ञेय

(ग) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–डॉ0 विद्या निवास मिश्र

(घ) ईर्ष्या–रामचन्द्र शुक्ल

(ड़) आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. हिन्दी का गद्य साहित्य–डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
2. हिन्दी निबन्ध का विकास–डॉ0 ओमकार नाथ शर्मा
3. निबन्ध सिद्धान्त और प्रयोग–डॉ0 हरिहर नाथ द्विवेदी
4. मोहन राकेश और उनके नाटक–गिरिश रस्तोगी
5. आचार्य शुक्ल और हिन्दी समीक्षा–डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
6. आचार्य शुक्लः सन्दर्भ और दृष्टि–डॉ0 जगदीश नारायण

एम0ए0 हिन्दी

X सेमेस्टर

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को रचनाकार के जीवन दर्शन एवं उनकी साहित्यिक रचनाओं में निहित विचार धारा मूल्यबोध व आलोचकीय दृष्टि को समझने में सहायता प्राप्त होगी।

निम्नलिखित साहित्यकारों में से मात्र किसी एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन अपेक्षित है:–

A011003T

वैकल्पिक (7)

1. **कबीरदास–**
   कबीर ग्रन्थावली सम्पादक डॉ0 श्याम सुन्दर दास
   (सम्पूर्ण साखी भाग तथा प्रारम्भिक 150 पद)
2. **जायसी–**
   जायसी ग्रन्थावली सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
3. **सूरदास–**
   सूरसागर (भाग एक और दो) – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण
4. **तुलसी–**
   तुलसी ग्रन्थावली – नागरी प्रचारिणी सभा संस्करण
   (व्याख्या केवल रामचरित मानस, विनय पत्रिका और कवितावली से)
5. **जयशंकर प्रसाद–**
   प्रसाद ग्रन्थावली – रत्न शंकर प्रसाद
   (व्याख्या केवल कामायनी, आंसू, लहर तथा चन्द्रगुप्त तथा स्कन्दगुप्त से)
6. सुदामा प्रसाद पाण्डेय "धूमिल"–
   संसद से सड़क तक –
   (व्याख्या केवल मोचीराम, पटकथा, कविता, बीस साल बाद, जनतंत्र के सूर्यादय में, अकाल दर्शन, नक्सल बाड़ी,भाषा की रात)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर– बिजयेन्द्र स्नातक
3. कबीर साहित्य की परख–परशुराम चतुर्वेदी
4. जायसी और उनका काव्य–शिव सहाय पाठक
5. जायसी ग्रन्थावली–रामचन्द्र शुक्ल
6. सूर और उनका साहित्य–हरवंश लाल शर्मा
7. सूरदास–बृजेश्वर वर्मा
8. तुलसी काव्य मीमांसा–उदयभान सिंह

एम0ए0 हिन्दी

X सेमेस्टर

छात्र साहित्य और सिनेमा के अन्तर सम्बन्धों से परिचित हो सकेगें तथा सिनेमा के आधारभूत तत्वों एवं साहित्य फिल्मान्तरण की प्रक्रिया व उसकी चुनौती को समझ सकेगें।

हिन्दी साहित्य और सिनेमा

A011004T

वैकल्पिक (7)

इकाई – 1. (क) साहित्य और सिनेमा–स्वरूप और महत्व

(ख) सिनेमा के अर्न्तनिहित तत्व।

(ग) सिनेमा के ऐतिहासिक विकास यात्रा।

(घ) साहित्य और सिनेमा का अन्तर सम्बध।

इकाई – 2. (क) साहित्य के फिल्मान्तरण की समास्या और चुनौती।

(ख) साहित्यिक सिनेमा का सामाजिक, आर्थिक, राजनीति व सांस्कृतिक प्रभाव

इकाई – 3.(क) प्रमुख साहित्यिक कृतियाँ–तमस,यही सच है, तीसरी कसम तथा चारणदास चोर के फिल्मान्तरण पर परिचर्चा।

(ख) राष्ट्र और समाज निर्माण में साहित्यिक सिनेमा की वैचारिक भूमिका।

इकाई – 4. (क) भारतीय समाज का यथार्थ एवं हिन्दी सिनेमा

(ख) साहित्यिक सिनेमा का भविष्य।

सन्दर्भ ग्रन्थ :–

1. भारतीय सिनेमा का सफरनामा–डॉ0 पुनीत विसारिया
2. नया सिनेमा–बृजेश्वर मदान
3. हिन्दी सिनेमा का इतिहास–मनमोहन चड्ढा
4. भारतीय सिनेमा सिद्धान्त–अनुपम ओझा
5. हिन्दी सिनेमा के 100 वर्ष–प्रहलाद अग्रवाल
6. सिनेमा कल आज और कला–विनोद भारद्वाज
7. राजकपूर : आधी हकीकत आधा फँसाना– प्रहलाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर–प्रताप सिंह

एम0ए0 हिन्दी

X सेमेस्टर

A011005P

(Research Project/Dissertation)

लघु शोध प्रबन्ध

(मौखिक परीक्षा सहित)

नोटः–

1. इस प्रश्न–पत्र के लिए विषय विभाग के द्वारा निर्धारित किया जायेगा।
2. लघु शोध प्रबन्ध लेखन कार्य प्रभारी अध्यापक के दिशा निर्देशन में किया जायेगा।
3. इसके लिखित अंक 50 और मौखिक अंक 50 होगें।
4. शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन एवं मौखिकी वाह्य परीक्षकों द्वारा सम्पन्न होगी।